Roll No. ..... Total Pages : 4

MDQ/D-21 **10847**

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper–VI

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **तीन** की सप्रंसग व्याख्या कीजिए :

(क) नन्दक-नन्दन कदम्बक तरूतर, धीरे-धीरे मुरलि बजाव।
समय संकेत निकेतन बइसल, बेरि-बेरि बोलि पठाव।
सामरि तोरा लागि, अनुखन विकल मुरारि
जमुना कतिर उपवन उद्‌बेगल, फिरि फिरि ततहि निहारि।
गोरस बेचइ अवइत जाइत जानि-जानि पूछ बनमारि।
तोहे मतिमान, सुमति मधुसूदन, बचन सुनह किछु मोरा।
भनइ विद्यापति सुन बर जौवति, बन्दह नन्द किसोरा।।

(ख) पीन पयोधर दूबरि गता, मेरू उपजल कनक लता।
ए कान्हु ए कान्ह तोरि दोहाई अति अपूरब देखलि साई।
मुख मनोहर अधर रँगे फुललि मधुरि कमल संगे।
लोचन जुगल भृंग अकारे मधुक मादल उड़ाए न पारे।
भउँहक कथा पूछह जनु मदन जोडल बाजर धनु।
भनइ विद्यापति दूति बहाने एत सुनि कान्हु कएल गमने।

(ग) कबरी भय चामरि गिरिकन्दर, मुख भय चाँद अकासे।
हरिन नयन भय, सर भय कोकिल, गति भय गज बनकसे।

सुन्दर, काहे मोहि सँभासि न जासि, तुअ डर इह सब दूरहि पलायल।

तुहुँ पुनि काहि डरासि, कुच भय कमल कोरक जल मृदु रहु।

घट परबेस हुतासे। दाड़िम सिरिफल गगन बास करु।

(घ) पथ गति नयन मिलन राधा कान। दुहु मन मनसिज पूरल संधान।

दुहु मुख हेरइत दुहु भेल भोर। समय न बूझए अचतुर चोर।

बिदगधि संगनि सब रस जान। कुटिल नयन कएलन्हि समधान।।

चलल राजपथ दुहु उरझाई। कह कवि सेखर दुहु चतुराई।।

(ङ) अबनत आनन कए हम रहलिहु, बारल लोचन चोर।

पिया मुख रुचि पिबए धाओल जनि से चाँद चकोर।।

ततहुँ सयँ हठ हटि मो आनल धएल चरनन राखि।

मधुप मातल उड़ए न पारए तइअओ पसारए पाँखि।।

माधव बोलल मधुर बानी से सुनि मुदुँ मोयँ कान।

ताहि अवसर ठाम बाम भेल, धरि धनु पँचबान।।

(च) नव वृन्दावन नव नव तरूगन, नव नव विकसित फूल।

नवल बसंत नवल मलयानिल, मातल नव अलि कूल।।

बिहरइ नवल किसोर कालिंदि पुलिन कुंज बन सोभन।

नव नव प्रेम बिभोर। नवल रसाल मुकुल मधु मातल।

नव कोकिल कुल गाय। नवजुवती गन चित उमतीअई

नव रस काननन धाय। नव जुवराज नवल बर नागरि।।

(3×7=21)

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से **तीन** का उत्तर दीजिए :

(क) कवि के रूप में कबीर की विवेचना कीजिए।

(ख) कबीर के समाज-दर्शन को विस्तारपूर्वक कीजिए।

(ग) कबीर की भाषा की विवेचना कीजिए।

(घ) तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं युग का विवेचन कीजिए।

(ङ) तुलसी काव्य में चित्रकूट के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

(च) रामकाव्यधारा में तुलसी का स्थान निर्धारित कीजिए।

(3×12=36)

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से **पाँच** का उत्तर दीजिए :

(क) सरहपाद कवि।

(ख) सरहपाद की भाषा।

(ग) नाथ सम्प्रदाय में गोरखनाथ का स्थान।

(घ) गुरु गोरखनाथ की भक्ति।

(ङ) अमीर खुसरो का साहित्य।

(च) अमीर खुसरो की पहेलियाँ।

(छ) नन्ददास की भक्ति।

(ज) नन्ददास की भाषा।

(झ) मीराबाई के गुरु।

(ञ) मीराबाई की कृष्णभक्ति। (5×3=15)

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) विद्यापति का जन्म स्थान लिखिए।

(ख) विद्यापति पदावली किस भाषा में रची गई है?

(ग) विद्यापति के पिता गणपति ठाकुर किस राजा के आश्रयदाता थे?

(घ) कबीर ने अपनी रचनाओं में किस सम्प्रदाय से घोर घृणा व्यक्त की है?

(ङ) कबीर की उलटबांसियों का प्रभाव किस पर दिखाई देता है?

(च) कबीर ने अपने काव्य में संसार को क्या माना है?

(छ) तुलसीदास की 'कवितावली' में किसकी कथा का वर्णन है?

(ज) तुलसीदास के गुरु का क्या नाम था? (8×1=8)